



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—भाग 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 282]
No. 282]

नई दिल्ली, भृहस्पतिवार, मई 18, 1989/वृश्चाख 28, 1911
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 18, 1989/VAISAKHA 28, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त अंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष/कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 1989

आय-कर

का. आ. 361(ज) :— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त गदियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का मंजिल नाम आय-कर (छठा संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1989 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के नियम 124 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

निर्धारण वर्ष 1989-90 से संबंधित संक्रमण कालीन पूर्व वर्ष के लिए कटौतियां और योग,—

125— जहां आय के विभिन्न स्तोत्रों की बाबत एक से अधिक आय-कर अधिनियम (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा है) को धारा 3 की उपधारा (2) के प्रत्येक परन्तु क्या तीमरे पाँ के मधीन संक्रमणकालीन पूर्व वर्ष में सम्मिलित हैं, वहां उक्त अधिनियम वस्त्रों अनुसूची (जिसे इसके पश्चात् उक्त सारणी कहा है) के नियम 3 में विवित सारणी के स्तंभ 2 में विनियिस्ट रकम या वृद्धि में निम्नलिखित शीति से वृद्धि की जाएगी :

(i) उक्त सारणी के स्तंभ (1) में अर्थात् उन अधिनियमी धारा 10(3), 12क(ज), 13(2) (छ), 80(ग) (1), 80ग(380ग) (4) 80ग (7) (ग), 80ग(2), 70गग(1), 80व (1) + 80प्रविधियों के सामने विवित रकम/रकमों में उसकी ऐसे प्रभाग से रक्करके वृद्धि व वी जाएगी जिसका ग्रंथ व क्रमणकालीन पूर्व वर्ष में तो की संख्या है और जिसका हरा, 12 है;

(ii) उक्त सारणी के स्तंभ (1) में अर्थात् जा अधिनियम की धारा 16 (i), 16 (1) के परन्तु, धारा 16 (ii), 23(i)पि1, (ii), धारा 24 (2) के परन्तु, धारा 33क (7) के परन्तु, धारा 356,

35का, 37 (2), 40क (12), 44का (2) (i) और (ii)'
44का, 80क (i) और धारा 80क (ii) के पहले परस्तुक धारा 80क (i)
के मूले परस्तुक धारा 80क (2) (ग), धारा 80क (2) (च) और धारा
139क (2) प्रविधियों के सामने वर्णित रकम/रकमों में उसकी ऐसे प्रभाग
से गुणा करके बृद्धि की जाएगी, जिसका भ्रंश उस विधिष्ट आय के स्रोत
की बाबत जिससे रकम या रकमों का संबंध है संकेतकालीन पूर्व वर्ष में
सम्मिलित प्रबंधि में मासों की संख्या है, और जिसका हर 12 है :

परन्तु यहाँ निर्धारिती ने आय के एक ही शीर्ष के प्रधीन विभिन्न
स्रोतों के लिए विभिन्न प्रबंधियों का अनुपालन किया है, वहाँ ऐसे प्रबंधियों
में से दीर्घतर को इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए मननाया जाएगा:

परन्तु यह और कि धारा 35, 35का और 35के के सामने वर्णित
रकमों की दशा में पूर्विक वर्षों में अनुशासन कुल मोक या कटौती और संकेत
कलीन पूर्व वर्ष में अनुशासनीय कटौता गया मोक या कटौती, किसी भी
दशा में, यथास्थिति, व्यय या खर्चों की कुल रकम से अधिक नहीं होती।

[मे - 8374/एफ म. 142/11/89 - दी पी एल]

के. के. मित्तल, निदेशक

MINISTRY OF FINANC

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 1989

INCOME-TAX

S.O. 361(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (sixth Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force from the 1st day of April, 1989.
2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 124
the following rule shall be inserted, namely :—

Deductions and allowances for the transitional previous year relating to assessment year 1989-90,—

125. Where more than one period in respect of different sources of income are included in the transitional previous year under the first proviso or the third proviso to sub-section (2) of section 3, of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the "said Act") the amount or amounts specified in column (2) of the Table mentioned in Rule 3 of the Tenth Schedule (hereinafter referred to as the "said Table") to the said Act, shall be increased in the following manner;

(i) the amount|amounts mentioned against the entries in column (1) of the said Table, namely against sections 10(3), 12A(b), 13(2)(g), 80C(1), 80C(3), 80C(4), 80C(7)(c), 80CC(2), 80CCA(1), 80D(1) and 80U of the said Act shall be increased by multiplying it|them by a fraction of which the numerator is the number of months in the transitional previous year and the denominator is 12;

(ii) the amount|amounts mentioned against the entries in column (1) of the said Table, namely against section 16(i), proviso to section 16(i), sections 16(ii), 23(1)(d)(ii), proviso to section 24(2), proviso to section 33A(7), sections 35A, 35AB, 35D, 37(2A), 40A(12), 44AA(2)(i) and (ii), 44AB, 80L(1) and first proviso to section 80L(1), second proviso to section 80L(1), section 80P(2)(c), section 80P(2)(f) and section 139A(2)-of the said Act shall be increased by multiplying it|them by a fraction of which the numerator is the number of months in the period included in the transitional previous year in respect of that particular source of income to which the amount or amounts relate, and the denominator is 12 :

Provided where the assessee has followed different periods for different sources, under the same Head of Income, the longest of such periods shall be taken for the purposes of this sub-rule :

Provided further that in cases of amounts mentioned against sections 35A, 35AB and 35D, the total of the allowances or deduction allowed in the earlier years and the increased allowances or deduction allowable in the transitional previous year, shall in no case exceed the total amount of expenditure or expenses as the case may be.

[No. 8374/F. No. 142/11/89-TPL]

K. K. MITTAL, Director